

S.H. RAZA

101, RUE DE CHARONNE

2, CITÉ DU COUVENT

75011 PARIS

TÉL. 43.70.97.64

पेरिस, १२ मई, १९८८

प्रिय आर्विलेश,

आपके दोनों पत्र, फोटो, फोल्डर, मिले। सब बढ़िया हैं। और जिस सावधानी से आपने सारी सामग्री, समय पर भिजाई है, देख कर खुशी हुई। पत्र से भी आपके विचार, कार्य संकल्प जानकर प्रसन्नता और आशा का अहसास हुआ।

पूरी शक्तियों कार्य पर केन्द्रित करें। विश्वास रखें। सक्रिय रहें। दिल्ली और बम्बई दोनों प्रदर्शनियों में आपको भाग लेना है। अच्छे चित्र चाहिये।

मेरे भिजाए पत्र मिले। खुशी हुई। काम करके बताइयेगा, कैसे हैं।

मैं यहाँ बहुत व्यस्त रहा हूँ। बहुत कुछ एक साथ ही हो रहा है। इस लिये ये दो शब्द जल्दी में। हम १२ जून को चार घाट के लिये गोरखियो जायेंगे। जाने के पहले आपकी भेजी सामग्री से चुन कर कुछ फोटो, वायोडेल, दिल्ली भिजाऊंगा। वहाँ भी एक अच्छे फेटलाग बनाने की योजना है। लिख चुका हूँ कि यह प्रदर्शनी १० फरवरी ८९ शुरू होगी। कुछ कहनाइयाँ हैं, अवश्य, इस लिये, किलहाल दूसरे लोगों से इस बारे में न करें, तो बहतर होगा।

हैं, मन लगाकर काम करें। बम्बई से आपके चित्र सीधे दिल्ली भिजाए जा सकते हैं। थूस्टुफ भी उसी समय बम्बई में होंगे। और आशा है मैं भी, इस बार योरी पत्नी जानिन भी आ सकेंगी।

पत्र हैं। बहुत सौहार्द - आपका



हैं। थूस्टुफ और विजय शिंदे का आलस है।  
वे भी निमग्नित हैं।

Addressed 15th June  
till 10th October:

RAZA

Rue du Château,

GORRION

06500 MENTON, France-